भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 2020
गुरूवार, 12 दिसंबर, 2024/21 अग्रहायण, 1946 (शक)

शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर

2020. डा. फौजिया खान:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि कौशल विकास के लिए आईआईटी मुंबई जैसे संस्थानों की स्थापना के बावजूद, इससे स्नातक की उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों में से काफी प्रतिशत छात्र (36 प्रतिशत) बेरोजगार हैं;
(ख) पिछले तीन वर्षों में देश के शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) पिछले तीन वर्षो के दौरान देश में डिजिटल कौशल वाले कितने रोजगार के अवसर सृजित किए गए, राज्य-वार आंकड़े क्या हैं; और
(घ) सरकार ने देश भर के शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर को कम करने और डिजिटल कौशल वाले रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए हैं?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री
(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) से (घ): आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) रोजगार और बेरोजगारी के आंकड़े एकत्र करने का अधिकारिक डेटा स्रोत है जिसे सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा वर्ष 2017-18 से आयोजित किया जा रहा है। इस सर्वेक्षण की अवधि प्रति वर्ष जुलाई से जून तक होती है।

नवीनतम वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्ट में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सामान्य स्थिति के आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के स्नातकों का अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर) 2017-18 में 17.2% से घटकर 2023-24 में 13.0% हो गई है। शहरी क्षेत्रों में सामान्य स्थिति के आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों का अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर) 2021-22 में 6.3% से घटकर 2023-24 में 5.1% हो गई है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा अनुबंध-I पर हैं।

नीति आयोग द्वारा जून 2022 में "इंडियाज बूमिंग गिग एंड प्लेटफॉर्म इकोनॉमी" शीर्षक से प्रकाशित अपनी रिपोर्ट के अनुमान के अनुसार, देश में गिग वर्कर्स और प्लेटफॉर्म वर्कर्स की संख्या 2020-21 में 7.7 मिलियन थी, जिसके 2029-30 तक बढ़कर 23.5 मिलियन होने की उम्मीद है।

रोजगार सृजन के साथ-साथ नियोजनीयता में सुधार करना सरकार की प्राथमिकता है। तदनुसार, विभिन्न मंत्रालयों/विभागों ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई), स्टैंड-अप इंडिया स्कीम, स्टार्टअप इंडिया, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई), ग्रामीण स्वरोजगार और प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई), दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई-एनयूएलएम), उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) जैसे उपाय किए हैं। भारत सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही विभिन्न रोजगार सृजन योजनाओं/कार्यक्रमों का ब्यौरा https://dge.gov.in/dge/schemes_programmes पर देखा जा सकता है।

श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल चला रहा है जो एक डिजिटल प्लेटफॉर्म [www.ncs.gov.in] के माध्यम से ऑनलाइन और ऑफलाइन रोजगार मेलों, रोजगार खोज और मिलान, करियर परामर्श, व्यावसायिक मार्गदर्शन, कौशल विकास पाठ्यक्रमों की जानकारी, कौशल / प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि सहित करियर से संबंधित सेवाएं प्रदान करने के लिए वन-स्टॉप समाधान है। एनसीएस के माध्यम से पिछले 3 वर्षों में जुटाई गई राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार रिक्तियां अनुबंध-II में दिया गई हैं।

इसके अलावा, सरकार ने बजट 2024-25 में 2 लाख करोड़ रुपये के केंद्रीय परिव्यय के साथ 5 साल की अवधि में शहरी क्षेत्रों सहित देश भर में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और अन्य अवसरों की सुविधा प्रदान करने के लिए **5** योजनाओं और पहल संबंधी प्रधानमंत्री पैकेज की घोषणा की।

****

अनुबंध-I

राज्य सभा के दिनांक 12.12.2024 के अतारांकित प्रश्न संख्या 2020 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

शहरी क्षेत्रों में सामान्य स्थिति के आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर में) (प्रतिशत में)।

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**
आंध्र प्रदेश	6.3	4.1	5.9
अरुणाचल प्रदेश	12.1	6.5	12.8
असम	9.4	10.9	7.4
बिहार	10.3	6.1	7.3
छत्तीसगढ	7.2	7.7	7.6
दिल्ली	5.3	7.8	2.0
गोवा	11.7	1.7	8.2
गुजरात	2.8	8.7	2.3
हरियाणा	8.9	2.2	4.0
हिमाचल प्रदेश	8.7	6.5	9.0
झारखंड	6.1	14.1	5.8
कर्नाटक	5.0	6.3	4.2
केरल	10.3	4.2	6.7
मध्य प्रदेश	4.9	7.6	2.8
महाराष्ट्र	5.0	4.8	5.2
मणिपुर	7.6	4.6	7.5
मेघालय	8.9	5.3	14.0
मिजोरम	7.1	12.3	3.4
नागालैंड	14.6	3.5	11.3
ओडिशा	10.5	8.6	6.8
पंजाब	6.1	6.2	5.6
राजस्थान	10.8	6.0	7.7
सिक्किम	3.0	8.5	3.0
तमिलनाडु	5.7	2.2	4.1
तेलंगाना	6.9	5.1	7.3
त्रिपुरा	4.3	7.8	3.2
उत्तराखंड	10.6	3.0	5.8
उत्तर प्रदेश	6.7	6.6	6.7
पश्चिम बंगाल	4.4	6.5	3.3
अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	9.9	3.8	13.5
चंडीगढ़	6.3	14.0	7.1
दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	4.7	4.0	2.3
जम्मू एवं कश्मीर	12.9	1.4	11.4
लद्दाख	9.7	10.2	13.4
लक्षद्वीप	21.1	10.8	13.8
पुडुचेरी	4.5	12.8	6.5
अखिल भारत	**6.3**	**5.4**	**5.1**

स्रोत: पीएलएफएस, एमओएसपीआई

अनुबंध-II

राज्य सभा के दिनांक 12.12.2024 के अतारांकित प्रश्न संख्या 2020 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

एनसीएस पोर्टल के माध्यम से पिछले 3 वर्षों में जुटाई गई रिक्तियां

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार	**2021-2022 से 2023-24**
अंडमान व निकोबार दवीप समूह	777
आंध्र प्रदेश	91934
अरुणाचल प्रदेश	9743
असम	37811
बिहार	258364
चंडीगढ़	13613
छत्तीसगढ	47563
दादरा और नगर हवेली	107
दमन और दीव	1203
दिल्ली	163093
गोवा	9465
गुजरात	226088
हरियाणा	112561
हिमाचल प्रदेश	19537
जम्मू और कश्मीर	33101
झारखंड	137617
कर्नाटक	501214
केरल	73699
लददाख	17
लक्षदवीप	1175
मध्य प्रदेश	68199
महाराष्ट्र	518132
मणिपुर	2549
मेघालय	8020
मिजोरम	1628
नागालैंड	1756
ओडिशा	221052
पड्डुचेरी	5645
पंजाब	78870
राजस्थान	90722
सिक्किम	1656
तमिलनाडु	810584
तेलंगाना	213634
त्रिपुरा	8997
उत्तर प्रदेश	304929
उत्तराखंड	38313
पश्चिम बंगाल	2792927
अखिल भारत/एकाधिक राज्य	8847820
सकल योग	**157,54,115**

एनसीएस, श्रम और रोजगार मंत्रालय